

00541

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2018

**MES-051 : PHILOSOPHICAL AND
SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

Note : (i) All questions are compulsory.

(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the concept of equity and equality in education. Explain major hurdles in achieving equity in education with special reference to India.

OR

Illustrate descriptive and prescriptive theories of education with suitable examples. Also explain briefly the concept of a pedagogical theory.

2. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the characteristics of modernization. Critically analyze the role of education in modernization process.

OR

Explain structural-functional approach and conflict approach of understanding social change. Discuss the two-way relationship between education and social change.

3. Answer **any four** of the following questions in about 150 words each :
- (a) Explain the nature of apriori and aposteriori knowledge with suitable examples in each case.
 - (b) Decentralization of education in India.
 - (c) Education and Cultural lag.
 - (d) Educational aims according to pragmatism.
 - (e) Explain Dewey's view that experience is education.
 - (f) Recommendations of NCF-2005 with special reference to use of ICT in education.

4. Answer the following question in about 600 words.

Briefly discuss the provisions of 'Right to Education (RTE) Act-2009'. Critically examine the administrative and procedural hindrances in implementation of the aim of right to education in Indian Context.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
शिक्षा में समता (equity) और समानता की अवधारणा की चर्चा कीजिए। भारत के विशेष संदर्भ में शिक्षा में समता की प्राप्ति में प्रमुख बाधाओं (hurdles) की व्याख्या कीजिए।

अथवा

उपयुक्त उदाहरणों द्वारा शिक्षा के वर्णनात्मक एवं निर्देशात्मक सिद्धान्तों (descriptive and prescriptive theories of education) को समझाइये। शिक्षा-शास्त्रीय सिद्धान्त (Pedagogical Theory) की अवधारणा की भी संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
आधुनिकीकरण की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में शिक्षा की भूमिका का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

अथवा

सामाजिक परिवर्तन को समझने के संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम (structural-functional approach) और द्वन्द्व-उपागम (conflict-approach) की व्याख्या कीजिए। शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन में द्विविध (two-way) सम्बन्ध की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए :

- (a) कारण-कार्य न्याय के अनुसार/निगमनिक/अनुभव निरपेक्ष (apriori) और कार्य-कारण न्याय के अनुसार/आगमनिक/अनुभव सापेक्ष (aposteriori) ज्ञान की प्रकृति की प्रत्येक केस (case) में उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए।
- (b) भारत में शिक्षा का विकेन्द्रीकरण।
- (c) शिक्षा और सांस्कृतिक पश्चता (Cultural Lag)।
- (d) उपयोगितावाद/परिणामवाद (Pragmatism) के अनुसार शैक्षिक उद्देश्य।
- (e) डीवी (Dewey) के इस विचार की व्याख्या कीजिए कि अनुभव शिक्षा है।
- (f) शिक्षा में सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के प्रयोग के विशेष सन्दर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एन.सी.एफ.) 2005 की संस्तुतियाँ।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
'शिक्षा के अधिकार (आर.टी.ई.) अधिनियम 2009' के प्रावधानों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा के अधिकार के उद्देश्य के क्रियान्वयन में प्रशासनिक एवं प्रक्रियात्मक बाधाओं (hindrances) का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।